RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 27 JULY 2022 TO 02 AUGUST 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 46 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

रिजर्व बैंक की मानी गई तो बैंकों ब्रांचों में भूल जाएंगे रसीद Page 2

आटे से दही तक पर क्यों लगी जीएसटी? अधिकारी ने बताई असली वजह Page 3

उम्र 70 साल से ज्यादा, ट्रेन टिकट पर बुजुर्गों को छूट के लिए रेलवे की आएंगी नई शर्तें! Page 4

editoria!

भूख से लड़ाई

दुनिया में अकाल और खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित लोगों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि यूक्रेन से अनाज आपूर्ति की सूरत बन गई है। पिछले तीन महीने से विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र इसके लिए प्रयासरत था। रूस को राजी करने में तुर्की का भी बड़ा योगदान बताया जा रहा है। दरअसल, तुर्की भी इन दिनों अनाज के बड़े संकट से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उभरा संकट पूरी दुनिया को बड़ी मुसीबत में डालने जा रहा था। रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को बंदरगाहों पर फंसे यूक्रेन के दो करोड़ टन से अधिक अनाज को मुक्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे न केवल जरूरतमंद देशों तक अनाज पहुंच सकेगा, बल्कि दुनिया भर में खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों में कमी भी आएगी। इस सौदे की खबर के तत्काल बाद वैश्विक अनाज बाजारों से प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार को ही गेहूं का वायदा भाव पांच फीसदी से ज्यादा कम हो गया। अनाज का भाव गिरने से दुनिया में महंगाई पर एक हद तक लगाम लगेगी। गौर करने की बात है कि यूक्रेन दुनिया के लिए रोटी की एक टोकरी है। वह गेहूं, जौ, मक्का और सूरजमुखी का एक प्रमुख निर्यातक है। युद्ध शुरू होने के बाद निर्यात लगभग ठप था। अनाज का एक और बड़ा निर्यातक रूस भी है, उसे भी अनाज के निर्यात में मुश्किलें आने लगीं। खास बात यह है कि रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया को 29 प्रतिशत अनाज की आपूर्ति करते हैं। एकबारगी वैश्विक अनाज बाजार में 29 प्रतिशत की कमी बहुत मायने रखती है। नतीजा यह हुआ था कि विश्व बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ीं, मिसाल के लिए, मई में गेहूं की कीमत फरवरी की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक हो गई। किसी तरह से कीमतें इधर कुछ संभली हैं, लेकिन अनाज भंडार का अभाव होने लगा है। अतः आपूर्ति सामान्य करने के लिए खासकर रूस को राजी करना जरूरी था। पश्चिमी देश यह आरोप लगा रहे थे कि रूस अनाज-आपूर्ति रोककर दुनिया का भयादोहन कर रहा है। रूस को भी यह अवश्य ध्यान होगा कि अनाज का यदि ज्यादा अभाव हुआ, तो इससे उसकी लोकप्रियता में तेजी से कमी आएगी। आम लोगों का गुस्सा रूस पर फूटेगा, अतः रूस ने राजी होकर एक चतुराई का ही परिचय दिया है। दुनिया के तमाम देशों को यह ध्यान रखना चाहिए कि भूख दूर करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर कहीं कोई भूख से मर रहा है, तो विकसित देशों के लिए भी यह शर्म की बात है। ध्यान रहे, संयुक्त राष्ट्र ने संभावित अकाल और राजनीतिक अशांति की चेतावनी दी थी। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के पूर्वी अफ्रीका के आपातकालीन निदेशक शाश्वत सराफ ने कहा है कि इन अवरोधों के हटने से पूर्वी अफ्रीका में 1.80 करोड़ से अधिक लोगों को भूख से लड़ने में तत्काल मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में 30 लाख लोग पहले से ही भयावह भूख की स्थिति का सामना कर रहे थे। आईपीसी के अनुसार, दुनिया के 34 से ज्यादा देशों में लाखों लोग अकाल के कगार पर हैं। साल 2022 पहले ही अकाल वर्ष जैसा घोषित है और अगला साल भी बिगड़ने की आशंका है। यह समूचे सभ्य मानव समाज के लिए चिंता की बात है कि 21वीं सदी में भी लोग दो-वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। विज्ञान से जो सहूलियत हमें हासिल हुईं, उन्हें युद्ध छीन रहा है। जो देश युद्ध को परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भड़काने में लगे हैं, उन्हें फिर सोचना चाहिए कि आज दुनिया के लिए ज्यादा जरूरी क्या है।

फिर बढ़ सकती है लोन की किस्त

रेपो रेट में कितनी बढ़ोतरी कर सकता है आरबीआई

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति अगले सप्ताह अपनी बैठक में नीतिगत रेपो रेट में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी बोफा सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेपो दर में वृद्धि के साथ नीतिगत रुख को सूझबूझ के साथ कड़ा किया जा सकता है। रिपोर्ट एमपीसी की बैठक से पहले जारी की गई है। समिति की बैठक तीन अगस्त से शुरू होगी और पांच अगस्त को मौद्रिक नीति समीक्षा पेश की जाएगी। रिजर्व बैंक ने बढ़ती महंगाई को काबू में लाने के लिए मई और जून में नीतिगत दर में कुल 0.90 प्रतिशत की वृद्धि की। खुदरा महंगाई (retail inflation) केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर दो से छह प्रतिशत के दायरे से बाहर चली गई है।

ब्रोकरेज कंपनी ने अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय बैंक प्रभावी रूप से नीतिगत दर 1.30 प्रतिशत बढ़ा चुका है। उस समय शीर्ष बैंक ने स्थायी जमा

सुविधा शुरू की थी। रिपोर्ट के अनुसार, 'हमारा अनुमान है कि मौद्रिक नीति समिति रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 5.25 प्रतिशत कर सकती है। यह कोविड-पूर्व स्तर से अधिक है। साथ ही उदार रुख को बदलकर सूझबूझ के साथ कड़ा करने की राह अपना सकती है।' इसमें कहा गया है कि एमपीसी वित्त वर्ष 2022-23 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रख सकती है।

कब होगी एमपीसी की बैठक

एमपीसी की बैठक अगले हफ्ते होनी है और इसमें लिए गए फैसलों की जानकारी पांच अगस्त को दी जाएगी। एमपीसी घरेलू और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए द्विमासिक मौद्रिक नीति के बारे में फैसला करती है। आरबीआई को एक तरफ आपूर्ति-आधारित महंगाई का मुकाबला करना है, तो दूसरी ओर ग्रोथ पर इसके नकारात्मक प्रभाव को भी काबू में रखना है। अगर आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी करता है तो आपके लोन की किस्त फिर बढ़ जाएगी।

आर्थिक मोर्चे पर बुरी खबर

IMF ने जीडीपी ग्रोथ अनुमान पर चलाई कैंची

मुंबई। एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने देश की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को कम कर दिया है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए अप्रैल में 8.2% का अनुमान जताया था, जो अब घटाकर 7.4% कर दिया है। इकोनॉमी के मोर्चे पर एक बुरी खबर है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने देश की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को कम कर दिया है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए अप्रैल माह में 8.2 फीसदी का अनुमान जताया था, जो अब घटाकर 7.4% कर दिया है। इस लिहाज से देखें तो 0.8ङ्ग की कटौती की गई है। हाल ही में एशियाई विकास बैंक ने भारत के लिए अपने 2022-23 के विकास अनुमान को 7.5% से घटाकर 7.2% कर दिया है। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2022-23 के लिए 7.2% की आर्थिक वृद्धि का अनुमान लगाया है।

फिर भी एक अच्छी खबरः विकास पूर्वानुमान में गिरावट के बावजूद, भारत 2022-23 और 2023-24 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। आईएमएफ के मुताबिक 2022 में चीन की विकास दर धीमी होकर 3.3ङ्ग रहने का अनुमान है, जो पहले 4.4% अनुमानित थी। आईएमएफ ने कहा कि मुद्रास्फीति पर काबू पाना भारत के नीति निर्माताओं के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। आईएमएफ के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 0.8 प्रतिशत घटाकर 6.1% कर दिया है। आईएमएफ ने कहा कि 2021 में एक अस्थायी वैश्विक सुधार के बाद 2022 में सुस्ती रही। वैश्विक स्तर पर यूक्रेन-रूस जंग समेत अर्थव्यवस्था को कई झटके लगे, जिसमें दुनियाभर में उम्मीद से अधिक महंगाई हो गई है।

समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात 2025 तक एक लाख करोड़ रुपये पहुंचाने का लक्ष्य

अमरावती। एजेंसी

दो साल की सुस्ती के बाद समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात में आई तेजी से उत्साहित समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) ने वर्ष 2025 तक एक लाख करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। एमपीईडीए के चेयरमैन के एन राघवन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्राधिकरण ने एक ऐसी पारिस्थितिकी बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है जो विविध समुद्री उत्पादों की पेशकश कर बढ़त को दीर्घकालिक रूप से कायम रखे। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए 2018-19 से ही मुश्किल दौर शुरू हो गया था। फिर कोविड-19 महामारी भी आ गई। इस क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने में लॉजिस्टिक से जुड़े मुद्दों की भी भूमिका रही। लेकिन पिछले वित्त वर्ष में हमारा निर्यात बढ़ा है।' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात बढ़कर 774 करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि निर्यात में यह वृद्धि मालढुलाई किराया बढ़ने और कंटेनरों की कमी के बावजूद दर्ज की गई जो अपने-आप में प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा, 'अब हमने वर्ष 2025 तक एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में हमने कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। हम एक ऐसी पारिस्थितिकी बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें निर्यात वृद्धि का सिलसिला कायम रखा जा सके और आने वाले समय में तेजी बनी रहे।' समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात में देश में सबसे आगे आंध्र प्रदेश का खास जिक्र करते हुए राघवन ने कहा कि राज्य सरकार के सक्रिय रवैये का भी इसमें अहम योगदान रहा है।

रिजर्व बैंक की मानी गई तो बैंकों ब्रांचों में भूल जाएंगे रसीद

मुंबई। एजेंसी

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की बात मानी गई तो बैंक की शाखाओं में कागज का उपयोग भूल जाएंगे। दरअसल, बैंक और अन्य फाइनेंसियल इंस्टीच्यूशंस अपनी शाखाओं में कागज के उपयोग को पूरी तरह खत्म करने पर विचार कर सकते हैं। इसके साथ ही ये एटीएम पर कागजी रसीद देने के बजाए ई-रसीद देने पर विचार कर सकते हैं। बैंक की शाखाओं में कागज का उपयोग खत्म करने के लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को यह सुझाव दिया।

डिस्कशन पेपर में है यह बात

रिजर्व बैंक ने 'जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त' 'Climate Risk and Sustainable Finance' शीर्षक से जारी एक डिस्कशन पेपर में कहा कि वह जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर एक रणनीति तैयार करना चाहता है। इसके लिए केंद्रीय बैंक वैश्विक निकायों और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के अनुभवों का लाभ ले रहा है।

तैयार किया जाएगा ब्रॉड गाइडलान

बैंक नियामक का कहना है कि इस क्रम में रिजर्व बैंक से विनियमित सभी संस्थाओं (Regulated Entities) के लिए व्यापक दिशानिर्देश (Broad Guideline) तैयार किए जाएंगे। डिस्कशन पेपर में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के जोखिमों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। इसमें कहा गया, "बैंकिंग प्रक्रियाओं को पर्यावरण के और अधिक अनुकूल बनाकर आरई अपने संचालन में कागज के उपयोग को खत्म करके अपनी शाखाओं को हरित शाखाओं में बदलने पर विचार कर सकते हैं।" आरबीआई ने 30 सितंबर तक परिचर्चा पत्र पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

- ई रीसिट को किया जाएगा प्रोत्साहित

इसके अनुसार, आरई ई-रसीदों को प्रोत्साहित करने के तरीकों और

साधनों पर विचार कर सकते हैं। यह सुझाव भी दिया गया कि भारतीय बैंक संघ (IBA) जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त के क्षेत्र में क्षमता निर्माण पर एक कार्यसमूह स्थापित कर सकता है।

अब गूगल मैप्स पर दिखेगी भारत में सड़कों की वास्तविक तस्वीरें

नयी दिल्ली। एजेंसी

गूगल मैप्स पर अब भारत के 10 शहरों में सड़कों और गलियों की वास्तविक तस्वीरें देखी जा सकेंगी। प्रौद्योगिकी कंपनी ने इसके लिये दो स्थानीय कंपनियों के साथ भागीदारी की है। सरकार ने पूर्व में सुरक्षा कारणों से सड़कों और अन्य जगहों की व्यापक फलक वाली तस्वीरें दिखाने की अनुमति नहीं दी थी। अबतक गूगल मैप्स पर उपग्रह से ली गयी तस्वीरें होती थीं, लेकिन अब उसपर वास्तविक तस्वीरें होंगी।

गूगल ने बुधवार को बयान में कहा कि जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की भागीदारी के साथ सड़कों, गलियों की वास्तविक तस्वीर देखने की सेवा शुरू की गयी है। बयान के अनुसार, "गूगल मैप्स पर आज से सड़क की तस्वीर उपलब्ध होगी। यह सेवा बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, नासिक, वडोदरा, अहमदनगर और अमृतसर में होगी।" गूगल, जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की 2022 तक इस सेवा का 50 से अधिक शहरों में विस्तार करने की योजना है। इसके साथ गूगल मैप्स यातायात प्राधिकरणों की तरफ से जारी गति सीमा के आंकड़े भी दिखाएगी। गूगल ने 'ट्रैफिक लाइट' के समय को बेहतर ढंग से बनाने के मॉडल को लेकर बेंगलुरु यातायात पुलिस के साथ अपनी साझेदारी की भी घोषणा की है। बयान में कहा गया है, "यह स्थानीय यातायात प्राधिकरण को प्रमुख चौराहों पर सड़क की भीड़ का प्रबंधन करने में मदद कर रहा है... इस व्यवस्था का पूरे शहर में विस्तार किया जाएगा।" गूगल स्थानीय यातायात अधिकारियों के साथ साझेदारी में कोलकाता और हैदराबाद में भी इसका विस्तार करेगी। इसके अलावा, वैश्विक कंपनी ने वायु की गुणवत्ता के बारे में जानकारी देने के लिये केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के साथ भी गठजोड़ की घोषणा की है।

कैम्पबेल विल्सन संभालेंगे Air India की बागडोर, गृह मंत्रालय से मिली सुरक्षा संबंधी मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

टाटा संस ने 12 मई को विल्सन को एयर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की थी। विल्सन स्कॉट एयर की पूर्ण अनुषंगी सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ रहे हैं। उन्होंने करीब 25 साल का अनुभव है। टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया के मनोनीत मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन को गृह मंत्रालय से सुरक्षा संबंधी मंजूरी मिल गई है। इसके साथ कैम्पबेल विल्सन के लिए एयरलाइन की बागडोर संभालने का रास्ता साफ हो गया है।

जरूरी है मंजूरी

दरअसल, नागर विमानन नियमों के तहत एयरलाइन के मुख्य अधिकारियों की नियुक्ति के लिये गृह मंत्रालय से मंजूरी जरूरी है। हालांकि, इस बारे में एयर इंडिया के प्रवक्ता से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। आपको बता दें कि टाटा संस ने 12 मई को विल्सन को एयर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की थी। विल्सन स्कॉट एयर की पूर्ण अनुषंगी सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ रहे हैं। उन्होंने कनाडा, हांगकांग और जापान में एयरलाइन कंपनियों के साथ भी काम किया है। पिछले साल किया था अधिग्रहण: पिछले साल अक्टूबर में, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए सरकार ने एयर इंडिया को टाटा संस की सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को बेच दिया। यह डील करीब 18,000 करोड़ रुपये में हुई थी। एयर इंडिया की शुरुआत टाटा समूह ने 1932 में की थी और वाहक का राष्ट्रीयकरण 1953 में किया गया था। कहने का मतलब ये है कि एयर इंडिया एक बार फिर टाटा ग्रुप के हाथों में आई है।

सरकारी कंपनी का बड़ा तोहफा, हर 2 शेयर पर मिलेगा 1 बोनस शेयर

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी कंपनी गेल इंडिया ने अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। गेल इंडिया ने अपने इक्विटी शेयरों पर बोनस शेयर की घोषणा की है। कंपनी, इनवेस्टर्स को 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। सरकारी कंपनी गेल इंडिया ने अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। गेल इंडिया ने अपने इक्विटी शेयरों पर बोनस शेयर देने की घोषणा की है। कंपनी अपने इनवेस्टर्स को 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। यानी, जिन लोगों के पास कंपनी के 2 शेयर होंगे, उन्हें बोनस के रूप में 1 शेयर मिलेगा। गेल इंडिया के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में 2.05 पर्सेंट की तेजी के साथ 146.85 रुपये पर बंद हुए हैं।

कंपनी के बोर्ड ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर किया रिकमंड

गेल इंडिया ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर इश्यू करना रिकमंड किया है। यानी, 10 रुपये फेस वैल्यू पर हर 2 शेयर पर कंपनी 1 बोनस शेयर देगी। बोनस शेयर के लिए शेयरहोल्डर्स की मंजूरी जरूरी होगी। 26 अगस्त 2022 को होने वाली कंपनी की 38वीं एजीएम में इसको अप्रूवल मिल सकता है।

इस साल अब तक करीब 12% चढ़े हैं गेल के शेयर

गेल इंडिया के शेयरों में इस साल अब तक करीब 12 फीसदी की तेजी आई है। इस साल की शुरुआत में यानी 3 जनवरी 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में गेल इंडिया के शेयर 131.40 रुपये के स्तर पर थे। 27 जुलाई 2022 को कंपनी के शेयर बीएसई में 146.85 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 1 महीने में गेल इंडिया के शेयरों में 7 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। शुरुआत से लेकर अब तक कंपनी के शेयरों में 450 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है।

लॉकडाउन में नौकरी छूटने के बाद दो दोस्त ने शुरू किया मांस का कारोबार, दो साल बाद 10 करोड़ में बेच दी कंपनी

नई दिल्ली। एजेंसी

आकाश और आदित्य इंजीनियर के तौर पर एक कंपनी में काम कर रहे थे कि कोविड महामारी ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। लॉकडाउन का पहला महीना तो उन्होंने फिल्में देखकर गुजार लिया था फिर कुछ करने का ठाना।

कोरोनावायरस का प्रकोप फैलने के बाद देश भर में लॉकडाउन लगने के साथ दो पुराने दोस्तों आकाश म्हास्के और आदित्य कीर्तने का करियर भी संकट में पड़ गया था। आकाश और आदित्य इंजीनियर के तौर पर एक कंपनी में काम कर रहे थे कि कोविड महामारी ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। लॉकडाउन का पहला महीना तो उन्होंने फिल्में देखकर गुजार लिया था लेकिन बंदी की स्थिति जारी रहने पर उनकी नौकरी ही चली गई।खुद का शुरू किया बिजनेस

औरंगाबाद के आसपास अनेक औद्योगिक यूनिट हैं और दोनों किसी अन्य कंपनी में अपनी किस्मत आजमा सकते थे। लेकिन उन्होंने नौकरियों के लिए आवेदन करने के बजाय खुद का काम शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सफल कारोबारी बनने के गुर बताने वाली कुछ किताबें पढ़ने के बाद इस दिशा में अपना इरादा पक्का कर लिया। लेकिन वे यह नहीं सोच पा रहे थे कि काम क्या करें।

परिवार का नहीं मिला सपोर्ट

शुरुआत एक स्थानीय विश्वविद्यालय में मांस और पॉल्ट्री प्रोसेसिंग के साथ उन्होंने मांस के असंगठित बाजार में घुसने का मन बनाया। दोनों को शुरू में उनके परिवारों से पूरा समर्थन भी नहीं मिला। आदित्य ने पीटीआई-भाषा से कहा, "हमारे परिवारों को शुरू में लगा कि हम जिस तरह का काम कर रहे हैं उसमें कोई अपनी लड़की की शादी नहीं करना चाहेगा। लेकिन बाद में हमारे परिवार के लोग साथ में खड़े रहे।"

'एपेटाइटी' नाम की है कंपनी

उन्होंने 100 वर्गफुट क्षेत्र में अपने दोस्तों की मदद से जमा किए गए 25,000 रुपये के फंड से 'एपेटाइटी' नामक कंपनी शुरू की जिसका एक महीने का कारोबार अब चार लाख रुपये महीने से ज्यादा हो चुका है। दोनों का कारोबार धीरे-धीरे बढ़ने लगा था। इसी दौरान शहर की ही एक कंपनी फैबी कॉर्पोरेशन की नजर उन पर पड़ गयी।

फैबी ने खरीदी हिस्सेदारी

फैबी ने हाल ही में एपेटाइटी की बहुलांश हिस्सेदारी 10 करोड़ रुपये में खरीद ली है। हालांकि आदित्य और आकाश कुछ हिस्सेदारी के साथ अब भी इसके साथ जुड़े रहेंगे। फैबी के निदेशक फहाद सैयद ने कहा कि सौदे के बाद 'एपेटाइटी' ब्रांड बरकार रहेगा और इसके बैनर तले ही नये उत्पाद पेश किए जाएंगे।

आटे से दही तक पर क्यों लगी जीएसटी? अधिकारी ने बताई असली वजह

नई दिल्ली। एजेंसी

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने पैकेटबंद सामान एवं खाद्य उत्पादों पर माल एवं सेवा कर लगाने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों पर कर की चोरी हो रही थी, जिसे रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने पैकेटबंद सामान एवं खाद्य उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा, ''इन उत्पादों पर कर की चोरी हो रही थी, जिसे रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। कुछ राज्यों ने भी इसकी मांग की थी।'' बजाज ने बातचीत में कहा कि पैकेटबंद खाद्य उत्पादों पर 18 जुलाई से जीएसटी लगाने का फैसला केंद्र सरकार का नहीं बल्कि जीएसटी परिषद का है। जीएसटी दरों के बारे में सुझाव देने वाली 'फिटमेंट समिति' ने इस बारे में निर्णय किया था जिसमें केंद्र के अलावा राज्यों के भी अधिकारी शामिल होते हैं।बजाज ने कहा कि राज्यों के मंत्रियों की भागीदारी वाले मंत्री समूह (जीओएम) ने भी इन उत्पादों पर जीएसटी लगाने की सिफारिश की थी जिसे जीएसटी परिषद ने भी स्वीकृति दे दी। इसके आधार पर गत 18 जुलाई से पैकेटबंद खाद्य उत्पादों पर भी पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लगने लगा है। हालांकि, विपक्षी दल एवं अन्य समूह इसका विरोध करते हुए इसे आम आदमी के लिए नुकसानदेह बता रहे हैं। इस पर राजस्व सचिव ने कहा कि जीएसटी से जुड़े मामलों में फैसले के लिए जीएसटी परिषद सर्वोच्च निकाय है और इस समिति ने पैकेट वाले उत्पादों पर कर लगाने का फैसला आम सहमति से लिया था। जीएसटी समिति में राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। हालांकि, दालों, गेहूं, राई, जौ, मक्का, चावल, आटा, सूजी, बेसन, मुरमुरे और दही एवं लस्सी को खुले में बेचने और पैक या लेबल नहीं किए जाने पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा।

बजाज ने कहा, ''जीएसटी लागू होने से पहले इन आवश्यक वस्तुओं पर कर कई राज्यों में लगा हुआ था। इनसे राज्यों को राजस्व मिल रहा था। जुलाई, 2017 में जीएसटी प्रणाली आने के समय यह परिपाटी जारी रहने की परिकल्पना की गई थी। लेकिन जब नियम और परिपत्र सामने आए तो यह कर ब्रांडेड उत्पादों पर लगाया गया था।'' नियमों के मुताबिक, अगर ब्रांड कार्रवाई-योग्य दावों को छोड़ देते हैं तो पहले से पैक किए गए सामानों पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। इसका फायदा उठाते हुए कुछ मशहूर ब्रांडों ने इन वस्तुओं को अपने ब्रांड नाम वाले पैकेटों में बेचना शुरू कर दिया लेकिन इस पर कोई कार्रवाई-योग्य दावा नहीं होने से उन पर पांच प्रतिशत जीएसटी नहीं लग रहा था। उन्होंने कहा कि इस तरह कर चोरी होने की शिकायतों कुछ राज्यों की तरफ से की गई थीं। हालांकि उन्होंने इन राज्यों के नाम नहीं बताए।

भारत, मोजाम्बिक ने दोनों देशों की संसद के बीच सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली। एजेंसी

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मोजाम्बिक की असेंबली की स्पीकर एस्पेरंका लॉरिन्डा फ्रांसिस्को नाहीवने बायस ने दोनों देशों की संसद के बीच सहयोग को लेकर बुधवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, भारतीय संसद के निमंत्रण पर मोजाम्बिक गणराज्य की असेंबली का एक संसदीय शिष्टमंडल तीन दिवसीय भारत दौरे पर है।

शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए बिरला ने कहा कि बायस का आगमन भारत के नए राष्ट्रपति के निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण के तुरंत बाद हुआ है और वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय विशिष्टजनों में से एक होंगी। उन्होंने कहा कि मोजाम्बिक के संसदीय शिष्टमंडल की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग के नए युग का आरंभ हुआ है। बिरला ने भविष्य में दोनों संसदों के बीच और अधिक घनिष्ठ संबंध विकसित करने की आशा व्यक्त की।

उन्होंने इस अवसर पर वर्ष 2023-24 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट हेतु चुनावों में मोजाम्बिक की सफलता पर बधाई दी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोज़ाम्बिक, भारत के लिए एक रणनीतिक साझेदार और घनिष्ठ व्यापारिक सहयोगी है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा भारतीय कंपनियों ने मोजाम्बिक के एलएनजी और खनन क्षेत्रों में भारी निवेश किया है।

बिरला ने कहा कि मार्च 2019 में मोजाम्बिक में आए चक्रवात इडाई के बाद भारत की तत्पर सहायता दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए भारत द्वारा मोजाम्बिक को वैक्सीन के साथ-साथ मास्क, सैनिटाइजर, पीपीई किट आदि सामग्रियों के रूप में भी सहायता का उल्लेख किया। वहीं, मोजाम्बिक की असेंबली की स्पीकर बायस ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने मोजाम्बिक में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के समर्थन की सराहना की।

बिरला और बायस ने दोनों देशों की संसद के बीच सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य समानता, लाभों की पारस्परिकता और पारस्परिक सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर भारत और मोजाम्बिक की संसदों के बीच संबंधों को विकसित करना है।

कौन-सा देश देता है सबसे सस्ता 1GB मोबाइल डाटा

नई दिल्ली। एजेंसी

वर्ल्डवाइड मोबाइल डाटा प्राइसिंग 2022 लिस्ट में भारत पांचवे स्थान पर है। दरअसल, एक रिपोर्ट जारी की गई है जिसमें 233 देशों में 1GB मोबाइल डाटा की लागत को जांचा गया है। इसी लिस्ट में भारत का नाम पांचवे स्थान पर आया है। इस लिस्ट में इजराइल सबसे कम कीमत पर है जो 0.04 डॉलर (लगभग 3 रुपये प्रति जीबी) है। इस आंकड़े के साथ इजराइल लिस्ट में सबसे ऊपर रहा।

बता दें कि सेंट हेलेना- दक्षिण अटलांटिक महासागर में एक ब्रिटिश प्रवासी क्षेत्र है जिसमें एक जीबी डाटा की कीमत 41.06 डॉलर (लगभग 3,500 रुपये) है। यह सबसे महंगा है लिस्ट में। इसके अलावा, उत्तरी अमेरिका की लागत पर गौर किया जाए तो यह लगभग 4.98 डॉलर (लगभग 400 रुपये) है। इसे दुनिया के सबसे अमूल्य क्षेत्र के रूप में लिस्ट किया गया है।

इस लिस्ट को Cable.co.uk द्वारा बनाया गया है। यह एक प्राइस कंपेरिजन वेबसाइट है। यह दावा करती है कि इजराइल, इटली, सैन मैरिनो, फिजी और भारत सस्ते मोबाइल डाटा के मामले में टॉप 5 देश हैं। बता दें कि भारत 0.17 डॉलर (लगभग 14 रुपये) की लागत के साथ पांचवें स्थान पर है। रिपोर्ट में आगे यह बताया गया है कि भारत की आबादी मोबाइल डाटा पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है, और यह माना जाता है कि इसी निर्भरता ने डाटा ही हाई डिमांड पैदा की है। इससे सर्विस प्रदाताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों में प्लान्स को पेश करना पड़ा था। इस लिस्ट के अनुसार, सेंट हेलेना, फॉकलैंड द्वीप समूह, साओ टोमे और प्रिंसिपे, टोकेलाऊ और यमन मोबाइल डाटा के मामले में सबसे महंगे देश हैं।

आशीष कुमार चौहान ने NSE के प्रमुख का पदभार संभाला, सामने कई चुनौतियां

मुंबई। एजेंसी

बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद से मुक्त होने के अगले ही दिन आशीष कुमार चौहान ने मंगलवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख का पदभार संभाल लिया। एनएसई के एक प्रवक्ता ने कहा कि चौहान ने एक्सचेंज के नए प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के रूप में कामकाज संभाल लिया है। उन्होंने एनएसई के मुखिया के तौर पर विक्रम लिमये की जगह ली है जिनका पांच साल का कार्यकाल गत 15 जुलाई को पूरा हुआ है। श्री चौहान पहले भी एनएसई के साथ काम कर चुके हैं। वह एनएसई की संस्थापक टीम का हिस्सा रहे थे लेकिन वर्ष 2000 में एक्सचेंज से अलग होकर रिलायंस के साथ जुड़ गए थे। चौहान को बीएसई से सोमवार को सभी सभी दायित्वों एवं भूमिकाओं से मुक्त कर दिया गया था। वह वर्ष 2012 से ही बीएसई के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। इस बीच, बीएसई ने कहा है कि नए प्रबंध निदेशक एवं सीईओ की नियुक्ति होने तक एक्सचेंज की कार्यकारी प्रबंध समिति ही इसका संचालन देखेगी। इस समिति में मुख्य नियामकीय अधिकारी नीरज कुलश्रेष्ठ, मुख्य वित्त अधिकारी नयन मेहता, मुख्य सूचना अधिकारी करसी तवाडिया, मुख्य कारोबार अधिकारी समीर पाटिल और व्यापार परिचालन प्रमुख गिरीश जोशी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चौहान के लिए एनएसई में काफी चुनौतियां रहेंगी। वह ऐसे समय एनएसई से जुड़ने जा रहे हैं जबकि यह एक्सचेंज कामकाज के संचालन में खामी, को-लोकेशन घोटाले, तकनीकी गडबड़ियों से लेकर फोन-टैपिंग जांच का सामना कर रहा है।

News यू केन USE

सेमीकंडक्टर का संकट समाप्त हो रहा है, हर बीतते माह के साथ स्थिति सुधर रही है : टाटा मोटर्स

नयी दिल्ली। एजेंसी

टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पीबी बालाजी ने बुधवार को कहा कि सेमीकंडक्टर का संकट अब धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और हर बीतते माह के साथ स्थिति सुधर रही है। टाटा मोटर्स को जून तिमाही में 4,951 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। सेमीकंडक्टर की कमी और चीन में कोविड-19 प्रतिबंधों ने समूह की जगुआर लैंड रोवर की बिक्री को प्रभावित किया है। बालाजी ने कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा, ''जहां तक सेमीकंडक्टर की कमी का सवाल है, हम देख रहे है कि स्थिति सामान्य होने लगी हैं। घरेलू स्तर पर विशेष रूप से, हम किसी भी महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर से संबंधित चुनौतियों से निपटने की योजना नहीं बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब भी बहुत चुनौतियां है लेकिन यह तीन महीने पहले की स्थिति के मुकाबले कम है। यह स्थिति भारत में है।''

भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें विश्व स्तर पर सबसे कम, नेपाल-पाकिस्तान, अमेरिका-आस्ट्रेलिया से भी सस्ता

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें विश्व स्तर पर सबसे कम है। खासकर अपने 3 पड़ोसी देशों और अमेरिका, कनाडा व आस्ट्रेलिया की तुलना में 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर बेहद सस्ता है।विपक्ष भले ही पेट्रोल-डीजल, घरेलू एलपीजी के महंगाई का रोना रो रहा हो, लेकिन पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पूरी कहते हैं कि भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें विश्व स्तर पर सबसे कम है। खासकर अपने 3 पड़ोसी देशों और अमेरिका, कनाडा व आस्ट्रेलिया की तुलना में 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर बेहद सस्ता है। पुरी ने ट्विट कर बताया है कि मोदी सरकार की 'सिटीजन फर्स्ट' नीतियों के परिणामस्वरूप भारत में रसोई गैस की कीमत में वृद्धि वैश्विक स्तर की तुलना में काफी कम है। दुनिया भर में रसोई गैस की कीमतें इनपुट लागत में वृद्धि के कारण बढ़ी हैं।

अंगोला की खदान से पिछले 300 साल में सबसे बड़ा गुलाबी हीरा मिला

जोहानिसबर्ग। एजेंसी

अंगोला की खदान से 175 कैरेट के गुलाबी हीरे की खोज की गई है। दावा किया जा रहा है कि गत 300 साल में मिला यह सबसे बड़ा गुलाबी हीरा है। खदान पर स्वामित्व रखने वाली लुकापा डायमंड कंपनी ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर घोषणा की, 'लुलो रोज' हीरे की खोज लुलो जलोढ़ खदान से की गई है। दुनिया में अबतक मिले सबसे बड़े हीरों में से दो हीरे अंगोला की लुलो खदान से ही मिली हैं, जिनमें 404 कैरेट का एक हीरा भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया से संचालित लुकापा ने बताया कि गुलाबी हीरा पांचवां सबसे बड़ा हीरा है, जो खदान से मिला है जबकि 100 कैरेट व इससे ज्यादा के करीब 27 और हीरे खदान से निकाले जा चुके हैं। इस गुलाबी हीरे को अंगोला की सरकारी विपणन कंपनी 'सोडियम' अंतरराष्ट्रीय निविदा के जरिये बेचेगी। अंगोला की खदान दुनिया में हीरे के शीर्ष 10 उत्पादकों में एक हैं।

उम्र 70 साल से ज्यादा, ट्रेन टिकट पर बुजुर्गों को छूट के लिए रेलवे की आएंगी नई शर्तें!

नई दिल्ली। एजेंसी

यह भी संभव है कि आयु मानदंड में बदलाव कर दिया जाए और रियायती किराये की सुविधा 70 वर्ष से ऊपर के लोगों को मुहैया करायी जाए जो पहले 58 वर्ष की महिलाओं और 60 वर्ष के पुरुषों के लिए थी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर एक बार फिर छूट मिल सकती है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रेलवे विचार कर रहा है, लेकिन संभव है यह सिर्फ जनरल और स्लीपर कोच के लिए हो।

उम्र में भी बदलाव संभवः सूत्रों ने कहा कि यह भी संभव है कि आयु मानदंड में बदलाव कर दिया जाए और रियायती किराये की सुविधा 70 वर्ष से ऊपर के लोगों को मुहैया करायी जाए जो पहले 58 वर्ष की महिलाओं और 60 वर्ष के पुरुषों के लिए थी। सूत्रों ने संकेत दिया है कि इसके पीछे मुख्य कारण बुजुर्गों के लिए सब्सिडी बरकरार रखते हुए इन रियायतों को देने से रेलवे पर पड़ने वाले वित्तीय भार का समायोजन करना है। आपको बता दें कि 2020 में कोरोना वायरस महामारी के दौरान वापस लेने से पहले, वरिष्ठ नागरिक रियायत 58 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं और 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के लिए थी। महिलाएं 50 प्रतिशत छूट के लिए पात्र थीं, पुरुष और ट्रांसजेंडर सभी श्रेणियों में 40 प्रतिशत छूट का लाभ उठा सकते थे।

ये भी है विचार

रेलवे जिस एक और प्रावधान पर विचार कर रहा है, वह है रियायतों को केवल गैर-वातानुकूलित श्रेणी की यात्रा तक सीमित करना। एक सूत्र ने कहा, ''तर्क यह है कि अगर हम इसे स्लीपर और जनरल कोच तक सीमित रखते हैं, तो हम 70 प्रतिशत यात्रियों को समायोजित कर लेंगे। ये कुछ विकल्प हैं जिन पर हम विचार कर रहे हैं और किसी भी चीज को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।''

सभी ट्रेनों में प्रीमियम तत्कालः रेलवे एक अन्य विकल्प पर भी विचार कर रहा है, वह यह है कि सभी ट्रेनों में 'प्रीमियम तत्काल' योजना शुरू की जाए। इससे उच्च राजस्व उत्पन्न करने में मदद मिलेगी, जो रियायतों के बोझ को वहन करने में उपयोगी हो सकता है। यह योजना फिलहाल करीब 80 ट्रेनों में लागू है।

प्रीमियम तत्काल योजना रेलवे द्वारा शुरू किया गया एक कोटा है जो कुछ सीटें गतिशील किराया मूल्य निर्धारण के साथ आरक्षित करता है। यह कोटा अंतिम समय में यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए है जो थोड़ा अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं। प्रीमियम तत्काल किराये में मूल ट्रेन किराया और अतिरिक्त तत्काल शुल्क शामिल होता है।

मौजूदा अस्थिर बाजार में एडलवाइस फोकस्ड इक्विटी फंड में निवेश करने का यह सही समय क्यों है?

एनएफओ सदस्यता के लिए 12 से 25 जुलाई 2022 के बीच खुला रहेगा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एडलवाइस एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने 12 जुलाई, 2022 को एक नया फंड एडलवाइस फोकस्ड इक्विटी फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह एक केंद्रित इक्विटी योजना है जिसका उद्देश्य एक क्यूरेटेड पोर्टफोलियो बनाना है 25-30 संभावित आशाजनक स्टॉक ब्रांड, मार्केट शेयर गेनर्स और इनोवेटर्स के तीन प्रमुख निवेश अवसरों में फैले हुए हैं। इसके अलावा, फंड मार्केट-कैप के साथ-साथ सेक्टर अज्ञेयवादी दोनों है, जिससे निवेशक अवसरों के व्यापक स्पेक्ट्रम को भुनाने में सक्षम होते हैं।

नीलेश गुरनानी, संस्थापक, सेफ इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा, विविधीकरण पोर्टफोलियो निर्माण का एक महत्वपूर्ण तत्व है, लेकिन होनहार विषयों के लिए केंद्रित दृष्टिकोण दीर्घकालिक धन बनाने के लिए एक विशेष रूप से शानदार दृष्टिकोण हो सकता है। एडलवाइस फोकस इक्विटी फंड हमारे ग्राहकों को मजबूत लंबी अवधि की कहानियों के लिए केंद्रित जोखिम लेने का अवसर देगा।

इन तीन निवेश विचारों से जुड़े मजबूत शेयरों का एक केंद्रित पोर्टफोलियो बनाने का फंड का दृष्टिकोण संभावित रूप से निवेशकों को मौजूदा और उभरते दोनों अवसरों पर कब्जा करने और लंबी अवधि में उचित रिटर्न उत्पन्न करने में मदद कर सकता है। एक निवेशक के दृष्टिकोण से, फंड का उद्देश्य स्थापित और साथ ही उभरते दोनों ब्रांडों में निवेश करना है, ऐसी कंपनियां जिनके पास या तो महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी है या बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की क्षमता है, और नवप्रवर्तनकर्ता और विघटनकर्ता हैं। फंड के लिए बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई होगा। एडलवाइस फोकस्ड इक्विटी फंड 12 से 25 जुलाई 2022 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और डायरेक्ट और रेगुलर प्लान दोनों ऑफर करता है। फंड का प्रबंधन त्रिदीप भट्टाचार्य, सीआईओ-इक्विटीज, अभिषेक गुप्ता, फंड मैनेजर, एडलवाइस एएमसी द्वारा किया जाएगा।

कंपनियां 'हर घर तिरंगा' अभियान पर खर्च कर सकती हैं सीएसआर निधिः सरकार

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सरकार ने कंपनियों को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ी गतिविधियों के लिये अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) निधि का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। सरकार की तरफ से जारी एक परिपत्र में कंपनियों को इस अभियान के लिए सीएसआर निधि का इस्तेमाल करने की छूट दी गई। आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर सरकार ने 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाने की घोषणा की हुई है जिसमें लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह अभियान 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के तौर पर आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत कंपनियों को भी भागीदारी करने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के सीएसआर प्रावधान में छूट देने की घोषणा की गई है। इस अधिनियम के तहत लाभ में चल रही कंपनियों को अपने तीन साल के औसत शुद्ध लाभ का कम-से-कम दो प्रतिशत सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करना होता है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को जारी इस परिपत्र में कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। ऐसे में कंपनियां भी अपने सीएसआर फंड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय ध्वज बनाने और उसकी आपूर्ति करने, पहुंच और विस्तार से जुड़ी गतिविधियों पर कर सकती हैं। परिपत्र के मुताबिक, हर घर तिरंगा अभियान के लिए ये गतिविधियां कंपनी अधिनियम की अनुसूची सात के प्रावधानों के तहत सीएसआर निधि के दायरे में आएंगी। इन कार्यों को कंपनी सीएसआर नीति नियम, 2014 का हिस्सा माना जाएगा।

पैकेजिंग से जुड़ी कंपनी लेकर आ रही FPO, सेबी के पास जमा कराए दस्तावेज

एजेंसी

मित्सु केम प्लास्ट एक पैकेजिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करती है। इसका मुख्य रूप से केमिकल्स, एग्री केमिकल, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य तेल जैसे उद्योगों के लिए औद्योगिक पैकेजिंग से जुड़ी सर्विसेज देती है। पैकेजिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइडर मित्सु केम प्लास्ट ने फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) के जरिए 125 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स दाखिल किए हैं। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) के मुताबिक इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। आपको बता दें कि मित्सु केम प्लास्ट एक पैकेजिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करती है। इसका मुख्य रूप से केमिकल्स, एग्री केमिकल, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य और खाद्य तेल जैसे उद्योगों के लिए औद्योगिक पैकेजिंग से जुड़ी सर्विसेज देती है। वहीं, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू का एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है। महाराष्ट्र स्थित इस कंपनी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 11.5 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है और 259 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की।

आसुस ने भारत में राएज़ेन 6000 सीरीज़ के साथ नए आरओजी ज़ीफायरस ड्यूओ 16 और फ्लो एक्स16 की पेशकश की

पॉवर-पैक्ड अपग्रेडेड परफॉर्मेंस के साथ रिफ्रेश्ड आरओजी फ्लो और ज़ीफायरस की विस्तृत श्रृंखला

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आसुस इंडिया के सब-ब्रांड, रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) ने ज़ीफायरस ड्यूओ 16, ज़ीफायरस जी14, और फ्लो एक्स16 के लॉन्च के साथ ज़ीफायरस जी15 और फ्लो एक्स13 की अपनी ज़ीफायरस और फ्लो श्रृंखला को पॉवर-पैक्ड अपग्रेडेड परफॉर्मेंस के माध्यम से मजबूती प्रदान की है। लैपटॉप्स पॉवरफुल गेमिंग परफॉर्मेंस के लिए एएमडी राएज़ेन 6000 सीरीज़ के मोबाइल प्रोसेसर्स और एक एमयूएक्स स्विच की सुविधा से लैस है। उक्त लैपटॉप्स आसुस के व्यापक गेमिंग पोर्टफोलियो के अतिरिक्त हैं, जिन्हें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ गेमर्स के कॉम्पिटिटिव अनुभवों को बढ़ाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। 'कॉम्पैक्ट इज़ द न्यू इम्पैक्ट' की फिलॉसफी को सर्वोपरि रखते हुए, नवीनतम गेमिंग की यह श्रृंखला, गेमिंग अनुभव को बढ़ाकर, गेमर्स को बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करती है। ज़ीफायरस ड्यूओ 16 के लिए प्रोडक्ट की कीमत की शुरुआत 249,990 रूपए, ज़ीफायरस जी14 की 146,990 रूपए और ज़ीफायरस जी15 की 157,990 रूपए से है और ये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध होंगे। जबकि आरओजी फ्लो एक्स16 की कीमत 171,990 रूपए और फ्लो एक्स13 की 121,990 रूपए से शुरू होती है। ये भी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध होंगे।

लॉन्च के साथ, आसुस आरओजी ने क्ष्बीयूविथआरओजी (क्ष्ँभ्दलेंयूँध्ड) कैंपेन की भी पेशकश की है, जो अपने ऑथेंटिक सेल्फ के प्रति जुनूनी रहने के साथ ही अपनी रचनात्मकता से रूबरू होने के लिए यूज़र्स को प्रोत्साहित करता है। गेमिंग कम्प्यूटर की नई रेंज पर टिप्पणी करते हुए, अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर और गेमिंग पीसी, सिस्टम बिजनेस ग्रुप, आसुस इंडिया ने कहा, 'आसुस में, हम अपने ग्राहकों को एक समग्र गेमिंग अनुभव देने में सक्षम होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि नए ज़ीफायरस और फ्लो की यह श्रृंखला अनुभवी और महत्वाकांक्षी गेमर्स दोनों के लिए एक नए स्तर का इमर्शन प्रदान करेगी। मशीनों से लैस अल्ट्रा-स्लीक चेसिस को इस तरह की अनूठी स्टाइल देते हुए डिज़ाइन किया गया है कि इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सके, फिर चाहे वह आपका घर हो, वर्कस्टेशन हो या गेमिंग बैटल स्टेशन हो।'

विनय सिन्हा, मैनेजिंग डायरेक्टर, सेल्स, एएमडी इंडिया ने कहा, 'एएमडी में हम एएमडी राएज़ेनरू 6000 सीरीज़ मोबाइल प्रोसेसर्स द्वारा संचालित हाई-परफॉर्मेंस गेमिंग लैपटॉप्स की नई आरओजी फ्लो और ज़ीफायरस सीरीज़ को लॉन्च करने के लिए एएसयूएस इंडिया के साथ साझेदारी करके काफी रोमांचित हैं। एएमडी में गेमिंग हमारे लिए एक बड़ा फोकस है और हम गेमर्स, उत्साही लोगों और प्रोफेशनल्स को बेहतर गेमिंग अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 6एनएम मैन्युफैक्चरिंग नोड पर निर्मित, राएज़ेनरू 6000 सीरीज़ प्रोसेसर्स और इंटीग्रेटेड एएमडी रेडीओनरू ग्राफिक्स द्वारा संचालित ये लैपटॉप्स शानदार विजुअल, बेहतर परफॉर्मेंस और उच्च फ्रैमरेट प्रदान करेंगे।'

अमेरिकी केंद्रीय बैंक की बैठक से पहले रुपया 13 पैसे गिरकर 79.91 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व (एफओएमसी) की बैठक का फैसले आने से पहले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 79.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निवेशकों द्वारा जोखिम लेने से बचने के कारण घरेलू मुद्रा में गिरावट आई। बाजार सूत्रों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले एशिया की बाकी मुद्राओं के कमजोर होने तथा विदेशी पूंजी बाजार से निवेशकों की निकासी का भी रुपये पर असर पड़ा। उन्होंने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के कारण रुपये को कुछ समर्थन प्राप्त हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.83 पर खुला और कारोबार के अंत में 13 पैसे की गिरावट के साथ 79.91 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया 79.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक श्रीराम अय्यर ने कहा कि फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के नतीजे आने से पहले एशियाई और उभरते बाजार की मुद्राओं में कमजोरी के अनुरूप डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि रूस द्वारा यूरोप को गैस आपूर्ति में ताजा कटौती के बाद बाजार में जोखिम उठाने से बचने के माहौल के बीच रुपये में गिरावट आई। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत घटकर 106.98 रह गया। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.16 प्रतिशत घटकर 104.23 डॉलर प्रति बैरल रह गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय बाजार से निकासी जारी है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को विदेशी निवेशकों ने 436.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता 2030 तक 8,20,000 मेगावॉट होगीः आर के सिंह

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने बुधवार को कहा कि देश की बिजली उत्पादन क्षमता 2030 तक 8,20,000 मेगावॉट पर पहुंच जाएगी। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 5,00,000 मेगावॉट होगी। द एनर्जी रिसोर्स इंस्टिट्यूट (टेरी) की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर अपने संदेश में सिंह ने कहा, "वर्ष 2030 तक कुल बिजली उत्पादन क्षमता 8,20,000 मेगावॉट पर पहुंच जाएगी। इसमें गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली की हिस्सेदारी 5,00,000 मेगावॉट होगी।" मंत्री ने कहा कि देश ने नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण क्षमता को जोड़ना शुरू कर दिया है। सरकार भंडारण पर सबसे बड़ी बोली लेकर आई है और बड़ी मात्रा के साथ भंडारण लागत को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि देश में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम है। इसके बावजूद ऊर्जा बदलाव लक्ष्यों के प्रति भारत पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

टेरी ने रिपोर्ट में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिये व्यावहारिक रूपरेखा का जिक्र किया है। रिपोर्ट में 2030 तक के लक्ष्य को हासिल करने के लिये नीतियों के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के स्तर पर हस्तक्षेप का सुझाव दिया गया है। साथ ही राज्यों के स्तर पर पंप्ड स्टोरेज सयंत्रों के साथ सौर उत्पादन के लिये 'फीड-इन-टैरिफ' व्यवस्था का आह्वान किया गया है। 'फीड-इन-टैरिफ' ऊर्जा नीति है, जिसका मकसद नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस योजना में सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उपलब्ध कराने वाले को उत्पादन लागत के आधार पर कीमत प्राप्त होती है। टेरी की महानिदेशक विभा धवन ने बयान में कहा, "भारत में नीतियों के स्तर पर व्यवस्था उपयुक्त है। लेकिन हमें नये ऊर्जा भंडारण समाधान और प्रौद्योगिकी को अपनाने की जरूरत है जो ग्रिड में स्थिरता और मजबूती लाते हैं। हमें अनुसंधान और नई प्रौद्योगिकी के विकास में निवेश के लिये सहयोग की आवश्यकता है।"

मात्र 2 घंटे में बिक गई वाल्वों ईवी की सभी गाड़ियां

नई दिल्ली। एजेंसी

वॉल्वो कार्स इंडिया ने 26 मई को इंतजार खत्म करते हुए वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज इलेक्ट्रिक एसयूवी को भारतीय बाजार में 55.9 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च किया है। और इसमें कई जबरदस्त फीचर्स दिए गए है।

वॉल्वो कार्स इंडिया ने इंतजार खत्म करते हुए वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज इलेक्ट्रिक एसयूवी (Volvo XC40 Recharge Electric SUV) को भारतीय बाजार में 55.9 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च किया है। इस एसयूवी के लिए बुकिंग सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, और अब कंपनी ने बताया कि इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की सभी यूनिट बुकिंग खुलने के 2 घंटे के अंदर बिक गई है। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि वह आगे की डिलीवरी के लिए ग्राहकों से ऑर्डर लेना जारी रखेगी। कंपनी अक्टूबर में इस गाड़ी की डिलीवरी शुरू करने के बाद दिसंबर 2022 के अंत तक 150 XC40 रिचार्ज कारों की डिलीवरी करने का प्लान बना रही है और कंपनी का यह भी दावा है कि यह पहली बार है कि कंपनी को इस तरह की बुकिंग 2 घंटे के इतने कम समय में हासिल हुई। XC40 रिचार्ज सिर्फ 4.9 सेकंड में 0-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें अंडरफ्लोर माउंटेड 79 kWh बैटरी पैक है। यह एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 418 किमी की रेंज दे सकती है। इसका बैटरी पैक फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है और यह 10-80 प्रतिशत तक 28 मिनट से भी कम समय में चार्ज हो जाती है।

इसमें एलईडी हेडलैंप, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरीफायर, पैनोरमिक सनरूफ, पावर्ड फ्रंट सीट, ड्राइवर सीट मेमोरी फंक्शन, गूगल सॉफ्टवेयर के साथ 9.0-इंच टचस्क्रीन और इन-बिल्ट गूगल असिस्टेंट, हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन इंटीग्रेशन और सेफ्टी के लिहाज से 7 एयरबैग, ABS, ट्रैक्शन और स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटर सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, हिल डिसेंट कंट्रोल और ADAS, क्रूज नियंत्रण, लेन कीप असिस्ट, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे फीचर्स दिए गए है। वोल्वो XC40 रिचार्ज

को केवल कंपनी द्वारा सीधे ऑनलाइन बेचा जाएगा। कंपनी ने बताया था कि ग्राहक 27 जुलाई, 2022 सुबह 11 बजे से वॉल्वो कार इंडिया की वेबसाइट पर सीधे ऑर्डर दे सकेंगे और ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे। ग्राहकों के ऑर्डर लेने के लिए वेबसाइट 27 जुलाई से खुलेगी और ग्राहक अपने ऑर्डर को प्री-बुक करने के लिए वोल्वो कार इंडिया की वेबसाइट पर 50,000 रुपये में इसे बुक कर पाएंगे।

हरियाली अमावस्या और गुरुवार का संयोग

पूजा-पाठ, स्नान-दान, श्राद्ध-तर्पण और प्रकृति की सेवा करने का शुभ योग, विष्णु जी के मंत्रों का करें जप

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

गुरुवार, 28 जुलाई को हरियाली अमावस्या है, इस दिन सावन महीने का एक पक्ष पूरा हो जाएगा और अगले दिन यानी 29 जुलाई से सावन शुक्ल पक्ष शुरू होगा। इस बार हरियाली अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, गुरु पुष्य नक्षत्र भी रहेगा। इन योगों में अमावस्या से संबंधित धर्म-कर्म करने से भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं। इंदौर के ज्योतिषाचार्य संतोष वाधवानी के अनुसार हरियाली अमावस्या पर पूजा-पाठ, स्नान-दान, श्राद्ध-तर्पण के साथ ही प्रकृति की सेवा करने का दिन है। इस दिन पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करें। दोपहर में गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उस पर गुड़-घी डालकर पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। धूप देते समय हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को जल अर्पित करें। हरियाली अमावस्या पर भक्त अपने-अपने क्षेत्र की पवित्र नदियों में स्नान के लिए पहुंचते हैं। अगर नदी में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। अगर नदी स्नान करने जा रहे हैं तो नदी में स्नान के बाद नदी के पानी से ही सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। नदी में स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज, धन, जूते-चप्पल और वस्त्रों का दान करें। नदी में स्नान करते लापरवाही बिल्कुल न करें। अभी बारिश की वजह से सभी नदियों में पानी काफी अधिक है। किसी विशेषज्ञ व्यक्ति के मार्गदर्शन में ही स्नान करें।

हरियाली अमावस्या पर लगाएं पौधे

इस दिन अपने घर के आसपास किसी सार्वजनिक जगह पर या किसी मंदिर में पीपल, नीम, बिल्व, आंवला, आम या किसी अन्य छायादार वृक्ष का पौधा लगाएं। पौधा ऐसी जगह लगाएं, जिससे आम लोगों को उसकी छाया और फल मिल सके।

गुरुवार को शिव जी और विष्णु जी की करें पूजा

गुरुवार को ॐ नमः शिवाय का जप करते हुए शिवलिंग पर जल, दूध और पंचामृत चढ़ाएं। बिल्व पत्र, दुर्वा, आंकड़े के फूल आदि चीजें चढ़ाएं। विष्णु जी का अभिषेक करें। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। गुरु ग्रह के लिए भी विशेष पूजा-पाठ करें। गुरु ग्रह की पूजा भी शिवलिंग रूप में ही की जाती है। शिवलिंग पर चने की दाल चढ़ाएं। दीपक जलाएं और बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।

पितृ शांति

कुंडली में पितृदोष होने से जातक का जीवन तनाव युक्त रहता है. मांगलिक कार्यों में बाधाएं आती है. ऐसे में अमावस्या पर पितरों की शांति दक्षिणाभिमुख होकर तर्पण करना चाहिए. इससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है.इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद तर्पण करें और फिर पितृसूक्त का पाठ करें.

दीपदान

हरियाली अमावस्या पर दीपदान करने से मां लक्ष्मी की कृपा मिलती है. घर में सुख समृद्धि आती है. इस दिन शनिदेव के समक्ष दीपक लगाकर उनकी आराधना करें. साथ ही आटे के दीपक जलाकर नदी में प्रवाहित करें. इससे जीवन से अंधकार मिटते हैं और खुशियों का आगमन होता है.

अन्नदान

हरियाली अमावस्या पर अन्न दान से पूर्वजों की आत्मा तृप्त होती है. इस दिन किसी जरूरतमंदों को चावल, गेहूं, ज्वार की धानि का दान करना चाहिए. साथ ही किसी ब्राह्मणों को भोजन कराएं.

11 अगस्त तक कर लें ये विशेष उपाय

महादेव की बरसेगी मेहरबानी, पूरी होगी मनोकामनाएं

पंचांग के सभी बारह महीनों का अपना अपना महत्व है किंतु जब बात सावन की आती है तो उसका अपना अलग ही विशेष महत्व है. सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव का महीना माना जाता है क्योंकि इस महीने में भगवान विष्णु पाताल लोक में रहते हैं और भगवान शिव ही संसार के पालनकर्ता के रूप में कार्य करते हैं. इसीलिए इस महीने में भगवान शिव की पूजा अधिक फलदायी होती है. यूं तो हर भक्त भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए पूजा पाठ करता है किन्तु यदि वह अपने व्यवहार और स्वभाव में परिवर्तन कर ले तो भी भोले शंकर की प्रसन्नता और कृपा पा सकता है.

सात्विकता का पालन करें

सावन की महीना सात्विकता का महीना होता है इसलिए कम से कम इस महीने में तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर सात्विकता की ओर बढ़ना चाहिए. वैसे तो सात्विकता पूरे जीवन के लिए ही ठीक है किंतु यदि ऐसा पालन करना मुश्किल है तो कम से कम सावन के महीने में तो कर ही सकते हैं. मांस, मदिरा आदि को अति तामसी भोजन माना जाता है इसलिए सावन मास में इसका सेवन छोड़ कर सात्विक रहने का नियम मानना चाहिए. इस महीने में सादा, सुपाच्य भोजन ही करना चाहिए.

प्रसन्नता और संपूर्णता का भाव जागृत करें

देखा जाता है कि कुछ लोगों को छोटी छोटी बातों पर क्रोध आ जाता है और वह आग बबूला हो जाते हैं. इसी तरह विचारों में नकारात्मका बनी रहती है, इसे छोड़ते हुए आपको अपने मन में प्रसन्नता और संपूर्णता का भाव जागृत करते हुए एकाग्र हो कर शिव की आराधना में लीन रहना चाहिए.

बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें

सावन माह में बुजुर्गों, गुरुओं, माता-पिता और विद्वानों का सम्मान करना चाहिए, भूल कर भी इनका अपमान या कटु वचन नहीं बोलना चाहिए. अपमान या कटु वचन बोलने वाला व्यक्ति खूब पूजा पाठ और व्रत उपवास करने के बाद भी भगवान शिव की कृपा से वंचित रह जाता है.

सावन में बैल की सेवा करें

बैल शिव जी की सवारी नंदी का प्रतीक है. जब भी शिवालय जाएं तो वहां नंदी जी का भी अभिषेक करें, उनपर जलाएं एवं तिलक करें. उसकी सेवा करें और कम से कम सावन में उसके चारे पानी का प्रबंध करें तो स्वाभाविक रूप से शिव जी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं. बैल के साथ हिंसा नहीं करना है.

शिव जी से जुड़ी मान्यताएं

रुद्राक्ष को माना जाता है शिव जी का प्रतीक, ध्यान रखें जो रुद्राक्ष टूटे हों, उन्हें नहीं पहनना चाहिए

शिव जी को आराध्य मानने वाले काफी लोग रुद्राक्ष धारण करते हैं। रुद्राक्ष हाथ में ब्रेसलेट या गले में माला के रूप में पहना जाता है। रुद्राक्ष को शिव जी का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि जो लोग रुद्राक्ष धारण करते हैं, उन्हें शिव जी की कृपा मिलती है और वे बुरे समय से, नकारात्मक विचारों से बचे रहते हैं। ध्यान रखें कभी भी टूटे हुए या खराब रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए।

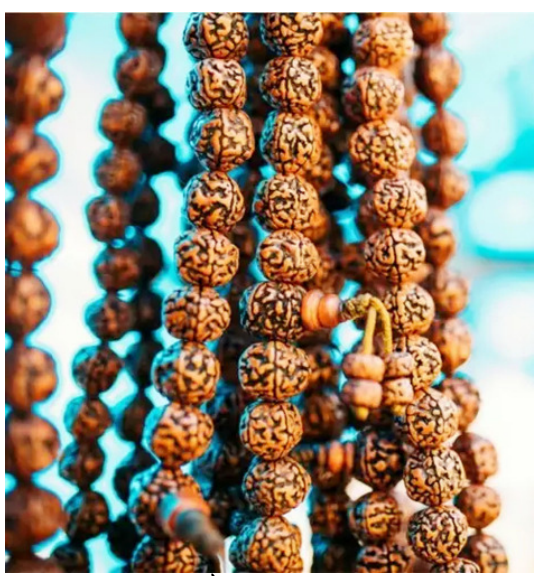

इंदौर के ज्योतिषाचार्य संतोष वाधवानी के मुताबिक रुद्राक्ष की उत्पत्ति शिव जी के आंसुओं से हुई है। ऐसा कहा जाता है कि एक बार शिव जी ध्यान में बैठे थे। ध्यान मुद्रा में ही शिव जी के आंखों से आंसु गिरे। जैसे ही ये आंसु धरती पर गिरे, वहां रुद्राक्ष के वृक्ष उग आए। इस कथा की वजह से रुद्राक्ष को शिव जी का प्रतीक माना गया है।

रुद्राक्ष से जुड़ी खास बातें

रुद्राक्ष कई तरह के होते हैं। रुद्राक्ष एक मुखी से 14 मुखी तक के होते हैं। हर एक रुद्राक्ष का महत्व अलग है। अलग-अलग इच्छाओं के लिए अलग-अलग रुद्राक्ष पहनने की सलाह पंडितों द्वारा दी जाती है।

आकार के हिसाब से देखेंगे तो रुद्राक्ष 3 प्रकार के होते हैं। रुद्राक्ष पहला आकार होता है आंवले के आकार जैसा। दूसरा प्रकार है बेर के समान आकार वाला रुद्राक्ष और तीसरा प्रकार है चने के दाने बराबर आकार वाला रुद्राक्ष। भक्त अपनी सुविधा के अनुसार अपने मन पसंद आकार के रुद्राक्ष धारण करते हैं।

रुद्राक्ष पहनना हो तो इन नियमों का पालन करें

जो लोग रुद्राक्ष पहनते हैं, उन्हें मांसाहार से बचना चाहिए। घर-परिवार में गंदगी न रखें। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। कभी भी भगवान का या भगवान के प्रसाद का अनादर न करें। घर-परिवार में और समाज में सभी बड़े लोगों सम्मान करें। माता-पिता की सेवा करें। नशा से दूर रहें। विचारों में सकारात्मकता रखें। अगर रुद्राक्ष पहनते हैं और इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं तो रुद्राक्ष से शुभ फल नहीं मिल पाते हैं।

कैसे रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए

कुछ रुद्राक्षों को कीड़े खराब कर देते हैं, कुछ टूट जाते हैं, खंडित हो जाते हैं, कभी-कभी रुद्राक्ष में गलत छेद भी हो जाते हैं, ऐसे रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए।

ऐसा रुद्राक्ष पहनें जो पूरा गोल हो, जिसमें दाने अच्छी तरह उभरे हुए दिखाई देते हों, जिस रुद्राक्ष में प्राकृतिक रूप से बना डोरा पिरोने के लिए छेद हो, वह सबसे अच्छा रहता है, ऐसे रुद्राक्ष को धारण करना चाहिए।

रुद्राक्ष पहनने से पहले शिवलिंग के साथ ही रुद्राक्ष का भी अभिषेक और पूजन करना चाहिए। रुद्राक्ष पहनने के बाद पवित्रता का ध्यान गंभीरता से रखें।

नेक्सा में आई एसयूवी की एक नई मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा का वैश्विक अनावरण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

नेक्सा की सातवीं सालगिरह मनाते हुए मारुति सुजुकी ने अपने गेमचेंजर एसयूवी, द ग्रांड विटारा का अनावरण किया। नेक्सा के वैल्यू स्टेटमेंट, ''क्रिएट। इंस्पायर।'' को समाहित कर ग्रांड विटारा एक मल्टी-प्रोडक्ट प्रस्तुति है, जो देश में एसयूवी बाजार में हलचल मचा देगी। नेक्सा की सिग्नेचर डिज़ाईन लैंग्वेज़- क्राफ्टेड फ्यूचरिज़्म के साथ इस प्रीमियम एसयूवी में बेहतरीन एक्सटीरियर डिज़ाईन, उत्तम इंटीरियर, श्रेणी की अग्रणी खूबियां, और इसके क्रांतिकारी हाईब्रिड पॉवरट्रेन के साथ उद्योग में सबसे अच्छी फ्यूल एफिशियंसी है।

ग्लोबल अनावरण के बारे में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री हिसाशी ताकेयुची ने कहा, ''मारुति सुजुकी ने हमेशा विभिन्न श्रेणियों में अपने नए उत्पाद लॉन्च करके बाजार में हलचल मचाई है। ये उत्पाद बाजार का नेतृत्व करते हुए नए युग के भारतीयों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करते आए हैं। ग्रांड विटारा के वैश्विक अनावरण के साथ हम ऐसी एसयूवी लेकर आए हैं, जिसमें सुजुकी का सर्वश्रे'ठ डिज़ाईन, टेक्नॉलॉजी एवं परफॉर्मेंस हैं। सुजुकी की बेहतरीन सड़क पर चिपककर चलने की क्षमता और

मजबूत एवं शक्तिशाली डिज़ाईन के साथ इसमें आईकोनिक ब्रांड, विटारा का शुद्ध एसयूवी डीएनए है। साथ ही क्रांतिकारी इंटैलिजेंट इलेक्ट्रिक हाईब्रिड सिस्टम के साथ ग्रांड विटारा ने एक स्वच्छ, हरे-भरे, सस्टेनेबल एवं कार्बन-न्यूट्रल विश्व का मार्ग तैयार कर दिया है। हमें विश्वास है कि ग्रांड विटारा देश में एसयूवी प्रेमियों के लिए नए मानक स्थापित करेगी और ग्राहकों की गतिशीलता की खुशी को बढ़ाएगी।''

ग्रांड विटारा के बारे में बात करते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर (सेल्स एवं मार्केटिंग), श्री शशांक श्रीवास्तव ने बताया, ''पिछले चार सालों में एसयूवी सेगमेंट में तेज वृद्धि हुई है और ग्राहक प्रभावशाली डिज़ाईन, सड़क पर दमदार मौजूदगी एवं नए युग की टेक्नॉलॉजी की ओर आकृषित हुए हैं। अपनी विविध उत्पाद श्रृंखला के साथ मारुति सुजुकी पिछले पाँच सालों से यूटिलिटी वाहन (यूवी) सेगमेंट का नेतृत्व कर रही है। मार्केट लीडर के रूप में हम अपने उत्पादों द्वारा लगातार हर सेगमेंट में हलचल मचा रहे हैं। नेक्सा के इस लेटेस्ट उत्पाद के बारे में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चीफ टेक्निकल आफिसर, श्री सी वी रमन ने कहा, अपने बेहतरीन पॉवरट्रेन विकल्पों, श्रेणी की सर्वश्रे'ठ खूबियों, ड्राईविंग के 'शानदार अनुभव और नेक्सा की सिग्नेचर 'क्राफ्टेड फ्यूचरिज़्म' डिज़ाईन लैंग्वेज़ के साथ ग्रांड विटारा मिड-एसयूवी सेगमेंट में एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है।

रियलमी ने अपना एआईओटी प्रोडक्ट पोर्टफोलियो मजबूत किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते हुए स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने अपने एआईओटी पोर्टफोलियो का विस्तार कर नए उत्पाद जोड़े। ब्रांड ने अपने वियरेबल्स, हियरेबल्स, और टेबलेट सेगमेंट का विस्तार करते हुए रियलमी वॉच 3, रियलमी बड्स एयर 3 नियो, रियलमी बड्स वायरलेस 2एस, और रियलमी पैड एक्स लॉन्च किए। इसके साथ ही रियलमी ने नई श्रेणियों में प्रवेश कर लिया है और रियलमी फ्लैट मॉनिटर, रियलमी कीबोर्ड एवं रियलमी पेंसिल के साथ अपने टेकलाईफ ईकोसिस्टम पोर्टफोलियो का विस्तार कर लिया है। ये उत्पाद रियलमी की '1ह्र5ह्रटी' स्ट्रेट्जी के तहत लॉन्च किए गए हैं, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजिकल उन्नति के साथ बेहतरीन ट्रेंडसेटिंग लाईफस्टाईल प्रदान करने की रियलमी की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

इस मेगा लॉन्च के बारे में श्री माधव भोठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी एवं प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ग्रुप ने कहा, ''रियलमी अभिनव डिज़ाईन एवं प्रदर्शन के साथ मौजूदा स्थिति को चुनौती देने एवं परिवर्तन लाने में यकीन करता है। रियलमी ने सदैव भारतीय उपभोक्ताओं को सर्वश्रे'ठ टेक्नॉलॉजिकल अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया है। एआईओटी उत्पादों की विविधीकृत और विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करने से यह प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। हमने इस साल भारत में 5जी को जनसमूह तक पहुंचाने पर अपना केंद्रण मजबूत किया है और उपभोक्ताओं को स्मार्ट, लचीले, ट्रेंडसेटिंग, एवं कनेक्टेड लाईफस्टाईल प्रदान करने के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले टेक लाईफस्टाईल उत्पाद प्रस्तुत कर रहे हैं। हम स्मार्टफोन को केंद्र में रखकर उत्पादों का संपूर्ण परिवेश बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, और पिछले कुछ सालों में हमें अपने यूज़र्स से सराहनीय सहयोग मिला है। हम उन सभी के आभारी हैं।'' रियलमी पैड एक्स टेबलेट सेगमेंट में ब्रांड का नया उत्पाद है। यह इस सेगमेंट में पहला 5जी टेबलेट है इसमें 6नैनोमीटर स्नैपड्रैगन 695 प्रोसेसर है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस और 'शानदार इमेज क्वालिटी प्रदान करता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने सुपर स्प्लेंडर का बोल्ड और स्टाइलिश अवतार पेश किया

ऑल-न्यू सुपर स्प्लेंडर कैनवास ब्लैक एडिशन लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्राहकों के लिए स्टाइलिश, मॉडर्न और अत्याधुनिक मोटरसाइकिलें पेश करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने आज कैनवास ब्लैक एडिशन में अपनी मशहूर सुपर स्प्लेंडर के बिल्कुल नए संस्करण को लॉन्च किया।

प्रीमियम बोल्ड डिज़ाइन और अपडेटेड टेक्नालॉजी के साथ, नई हीरो सुपर स्प्लेंडर कैनवास ब्लैक एडिशन सुपर-पावर, सुपर-माइलेज और सुपर-कम्फर्ट के तिहरे वादे के साथ आती है। यह 60-68 किमी/लीटर के सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ माइलेज के साथ 13ञ तक बढ़ी हुई ईंधन दक्षता प्रदान करता है और एक नए डिजी एनालॉग क्लस्टर, एक एकीकृत यूएसबी चार्जर, साइड-स्टैंड इंजन कट-ऑफ जैसी आकर्षक नई सुविधाओं से लैस है और एक बिल्कुल नए लुक में आती है। यह मोटरसाइकिल देश भर में हीरो मोटोकॉर्प डीलरशिप?स पर (ड्रम सेल्फ-कास्ट वैरिएंट) और (डिस्क सेल्फ-कास्ट वैरिएंट) 81,330 रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है। हीरो सुपर स्प्लेंडर कैनवास ब्लैक एडिशन 5 साल की वारंटी के साथ मिलता है, जो ब्रांड के भरोसे और विश्वसनीयता को दोहराता है। ड(एक्स-शोरूम दिल्ली)

हीरो मोटोकॉर्प के स्ट्रैटेजी और ग्लोबल प्रोडक्ट प्लानिंग के प्रमुख मालो ले मैसन ने कहा , 'स्प्लेंडर फैमिली देश में सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद मोटरसाइकिल ब्रांड है। कैनवास ब्लैक एडिशन सुपर स्प्लेंडर 125 के प्रीमियम प्रस्ताव को बढ़ाने के लिए बनाया गया है, जो एक स्टाइलिश और तकनीकी रूप से अत्याधुनिक मॉडल के लिए आधुनिक खूबसूरती को जोड़ता है। यह नई पेशकश सुपर स्प्लेंडर के आकर्षण को बढ़ाएगी और साथ ही ग्राहकों को कस्टम ग्राफिक्स के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत शैली को व्यक्त करने में सक्षम बनाएगी।' रंजीवजीत सिंह, चीफ ग्रोथ ऑफिसर (सीजीओ), हीरो मोटोकॉर्प ने कहा , 'बाजार में शानदार सफलता पाने वाली एक प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल के रूप में, स्प्लेंडर श्रृंखला ने लगातार सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करने की कोशिश की है। कैनवास ब्लैक एडिशन में बिल्कुल नया हीरो सुपर स्प्लेंडर ग्राहकों की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करता है, और इसे बेहतर प्रदर्शन और आराम का समर्थन मिला है। हमें भरोसा है कि यह आराम और सुरक्षा के ब्रांड के वादे को पूरा करेगा और एक बार फिर तकनीकी और सुंदरता दोनों के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा।'

टाटा मोटर्स को सीईएसएल टेंडर के तहत 1500 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला

■दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन द्वारा इलेक्ट्रिक बसों के लिये अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर ■टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, परिचालन एवं रख-रखाव करेगी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत में वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स को कंवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के बड़े टेंडर के तहत दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) से 1500 इलेक्ट्रिक बसों का प्रतिष्ठित ऑर्डर मिला है। इस अनुबंध के अनुसार टाटा मोटर्स द्वारा एयर-कंडीशंड, लो-फ्लोर, 12-मीटर की फुली-बिल्ट इलेक्ट्रिक बसों की 12 वर्षों तक आपूर्ति, परिचालन एवं रख-रखाव किया जाएगा। टाटा स्टारबस इलेक्ट्रिक बसें स्थायी, पर्यावरण के अनुकूल और सस्ते सार्वजनिक परिवहन के लिये अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की पेशकश करती हैं और यात्रियों की सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा के लिये आधुनिक खूबियों से सुसज्जित हैं।

इस अवसर पर दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के एमडी, आईएएस श्री नीरज सेमवाल ने कहा, 'हम टाटा मोटर्स के लिये 1500 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर की पुष्टि करते हुए बेहद खुश हैं। पर्यावरण-हितैषी बसों के आने से बड़े पैमाने पर वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी और दिल्ली के लाखों नागरिकों को फायदा होगा। डीटीसी यात्रियों और बड़े पैमाने पर समाज के फायदे के लिये नई तकनीकों की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध बना हुआ है।'

कंवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) की एमडी एवं सीईओ सुश्री महुआ आचार्य ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि डीटीसी ने सीईएसएल के ग्रैण्ड चैलेंज के तहत इलेक्ट्रिक बसों के लिये अपना सबसे बड़ा ऑर्डर दिया है। दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों को अपनाये जाने में बेहतरीन नेतृत्व किया है। सौभाग्य से हमें इसका फायदा मिला है और हम टाटा मोटर्स के उदार सहयोग के लिये उन्हें धन्यवाद देते हैं।'

इस यादगार अवसर पर टाटा मोटर्स की प्रोडक्ट लाइन- बसेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री रोहित श्रीवास्तव ने कहा, 'हम इलेक्ट्रिक बसों के लिये डीटीसी का सबसे बड़ा ऑर्डर पाकर बहुत खुश हैं। इन बसों की आपूर्ति से डीटीसी के साथ हमारी भागीदारी और भी मजबूत होगी और दिल्ली शहर में जन-साधारण के पर्यावरण-हितैषी यातायात को सहायता मिलेगी। हम भारत में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने और भविष्य के वाहनों को डिजाइन करने में सस्टेनेबिलिटी को सबसे अधिक महत्व देने के लिये प्रतिबद्ध हैं।'

भारतीय निर्यातकों को कानूनी निकाय पहचानकर्ता (एलईआई) जारी करने की सुविधा

फियों ने रुबिक्स डाटा साईंसेज के साथ साझीदारी की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फेडेरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) ने भारतीय निर्यातकों को कानूनी निकाय पहचानकर्ता (एलईआई) जारी करने की सुविधा प्रदान करने के लिए रुबिक्स डाटा साईंसेज प्रा. लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। रुबिक्स डाटा साईंसेज एक बिजनेस इंटेलीजेंस कंपनी है जो एक प्रौद्योगिकी तथा विश्लेषण आधारित बी2बी रिस्क मैनेजमेंट एवं मोनीटरिंग प्लेटफॉर्म ऑफर करती है। अप्रैल 2022 में, ग्लोबल लीगल इनटिटी आइडेंटीफायर फाउंडेशन (जीएलईआईएफ) तथा लीगल इनटिटी आइडेंटीफायर इंडिया लिमिटेड (एलईआईएल) ने ग्राहकों को एलईआई प्राप्त करने में सहायता के लिए भारत के पहले एलईआई वैलीडेशन एजेंट के रूप में रुबिक्स को नियुक्त किया।

फियो के साथ एमओयू के हिस्से के रूप में, रुबिक्स दस्तावेजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय निर्यातकों की प्राथमिक सहायता करेगी तथा त्वरित और किफायती एलईआई जारी करने की सुविधा प्रदान करेगी। रुबिक्स अपने एलईआई को सक्रिय रखने के लिए एलईआई के समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित करने के लिए निर्यातकों के साथ भी काम करेगी।

क्या होता है कानूनी निकाय पहचानकर्ता (एलईआई) ?

कानूनी निकाय पहचानकर्ता (एलईआई) एक 20-कैरेक्टर, अल्फान्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से एक कानूनी निकाय या संरचना की पहचान करता है जो किसी भी अधिकार क्षेत्र में वित्तीय लेनदेन का एक पक्ष है। एलईआई प्रमुख संदर्भ जानकारी से कनेक्ट करता है जो वित्तीय लेनदेनों में भाग लेने वाले कानूनी निकायों की स्पष्ट और विशिष्ट पहचान में सक्षम बनाता है। एलईआई का विकास सभी बाजारों, उत्पादों तथा क्षेत्रों में लेनदेनों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर के विनियामकों द्वारा एक सहयोगात्मक प्रयास के रूप में किया गया था। कंपनियों एवं संगठनों को विदेश में व्यवसाय करते समय लेनदेनों के कई प्रकारों के लिए अनिवार्य रूप से अपने एलईआई को उद्धृत करना चाहिए।

एलईआई डाटा पूल को एक वैश्विक डायरेक्टरी माना जा सकता है जो वैश्विक मार्केट प्लेस में पारदर्शिता में बहुत अधिक बढोतरी करता है। सत्यापित निकायों की इस वैश्विक डायरेक्टरी में पहले ही 97 हजार से अधिक भारतीय कंपनियों के पास एलईआई तथा फीचर हैं।

भारत में एलईआई से संबंधित नियामकीय अधिदेश

आरबीआई, सेबी तथा इरडा सहित भारत के विनियामकों ने विभिन्न प्रकार के लेनदेन के लिए एलईआई को उद्धृत करना अनिवार्य कर दिया है।

आरटीजीएस/एनईएफटी ट्रांजेक्शन : भारतीय रिजर्व बैंक ने रियल टाइम ग्रौस सेटलमेंट (आरटीजीएस) तथा नेशनल इलेक्ट्रोनिक्स फंड ट्रांसफर के लिए निकायों (गैर-व्यक्तियों) द्वारा किए गए 50 करोड़ रुपये या उससे अधिक मूल्य के सभी भुगतान लेनदेन के लिए एलईआई कोड अनिवार्य कर दिया है।

सीमा पार लेनदेन: भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 करोड़ रुपये या उससे अधिक मूल्य के पूंजी या चालू खाता लेनदेन जैसे सीमा पार लेनदेन के लिए एलईआई कोड को अनिवार्य बना दिया है। इस उद्देश्य के लिए एलईआई नंबर प्राप्त करने के लिए समयसीमा 1 अक्टूबर, 2022 है।

कॉरपोरेट उधारी: भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) तथा प्राथमिक शहरी सहकारी समितियों (यूसीबी) से 5 करोड़ रुपये या उससे अधिक उधार लेने वाले गैर-व्यक्तिगत निकायों के लिए एलईआई प्रणाली का चरण-वार कार्यान्वयन अनिवार्य कर दिया है। बिना एलईआई कोड के निकायों को ऋण सुविधाओं का नवीनीकरण या संवर्धन नहीं किया जाएगा।

बीमाकर्ता/ कॉरपोरेट उधारकर्ता: इरडा ने सभी बीमाकर्ताओं और उनके कॉरपोरेट उधारकर्ताओं के लिए एलईआई प्रणाली के कार्यान्वयन को अनिवार्य कर दिया है।

ओटीसी डेरिवेटिव मार्केट: भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपया ब्याज दर डेरिवेटिव, विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव तथा ऋण डेरिवेटिव के लिए ओवर द काउंटर (ओटीसी) मार्केट के सभी प्रतिभागियों के लिए एलईआई प्रणाली के कार्यान्वयन को अनिवार्य कर दिया है। गैर-डेरिवेटिव मार्केट: भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकारी प्रतिभूति बाजार, मनी मार्केट, तथा गैर-डेरिवेटिव फॉरेक्स मार्केट (कैश, टोम तथा स्पाट लेनदेन) सहित गैर-डेरिवेटिव बाजारों के लिए एलईआई प्रणाली के चरण वार कार्यान्वयन को अनिवार्य कर दिया है। पात्र विदेशी निकाय: सेबी ने कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट में पात्र विदेशी निकायों (ईएफएफ) के लिए एलईआई कोड को अनिवार्य कर दिया है।

फ्लिपकार्ट ने हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद के साथ की साझेदारी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने भारतीय कारीगरों बुनकरों और हस्तशिल्प निर्माताओं को बाज़ार तक पहुंच प्रशिक्षण एवं इन्यूबेशन सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के अपने राष्ट्रव्यापी प्रयासों को जारी रखने हेतु हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हस्तशिल्प् और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद के सीईओ श्री कृष्ण कुमार और फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य? कॉर्पोरेट अफेयर्स अधिकारी श्री रजनीश कुमार के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) की स्थापना 2014 में दक्षता-आधारित प्रशिक्षण को सक्षम करके हस्तशिल्प एवं कालीन क्षेत्र को कुशल संसाधन प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। एचसीएसएससी के मिशन में हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र से संबंधित कौशल और मानकों का समग्र विकास शामिल है।

एमओयू पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फ्लिपकार्ट समूह के मुख?य कॉर्पोरेट अफेयर्स अधिकारी श्री रजनीश कुमार ने कहा हम लाखों स्थानीय व्यवसायों को ई-कॉमर्स अपनाने में मदद करके भारत के आर्थिक विकास की कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित और प्रतिबद्ध हैं हमारा प्रयास उन्हें अपने व्यवसाय को डिजिटल बनाने और फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के माध्यम से विकास के अवसरों का पता लगाने में मदद करने पर केंद्रित है कारीगरों, बुनकरों, शिल्पियों और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के अपने संयुक्त मिशन में हस्तशिल्पो और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ सहयोग करके हमें खुशी है फ्लिपकार्ट समर्थ पहल पूरे भारत में दस लाख से अधिक कारीगरों, बुनकरों और शिल्पियों की आजीविका को प्रभावित करके 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मानिर्भर भारत' के सरकार के मिशन को आगे बढ़ा रही है।''

रेडमी के सीरीज़ ने रेडमी के 50 आई 5 जी के साथ वापसी की

रेडमी इंडिया ने ट्रुली परफेक्ट वायरलेस ऑल-न्यू रेडमी ईयरबड्स 3 लाईट प्रस्तुत किए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश के नं. 1 स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी इंडिया ने रेडमी के50आई 5जी के लॉन्च के साथ अपनी बेस्टसैलिंग रेडमी के सीरीज़ दोबारा प्रस्तुत की। प्राईज़ टू परफॉर्मेंस अनुपात पर केंद्रित रहकर रेडमी के50आई फ्लैगशिप मीडियाटेक डायमेंसिटी 8100, 144 हट्र्ज़ के एफएफएस एडैप्टिव सिंक डिस्प्ले, 67 वॉट के टर्बो चार्ज और ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ किफायती मूल्य में बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इस लॉन्च के साथ रेडमी भारतीय स्मार्टफोन बाजार में मिड प्रीमियम सेगमेंट में शानदार परफॉर्मेंस का वादा लेकर आया है।

शाओमी इंडिया के चीफ बिज़नेस ऑफिसर, रघु रेड्डी, ''रेडमी के-सीरीज़ ने 2019 में भारत में रेडमी के20 और रेडमी के20 प्रो के साथ भारत में परफॉर्मेंस के मामले में नए मानक स्थापित किए थे और अब हम इसे वापस लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।'' उन्होंने कहा, ''रेडमी के50आई 5जी अब तक का सबसे शक्तिशाली रेडमी स्मार्टफोन है। इसमें ग्राहकों की अपेक्षा की हर चीज़ है, जिसमें बहुत शक्तिशाली प्रोसेसर से लेकर सबसे ज्यादा रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले, शानदार कैमरा और सुपरफास्ट चार्जिंग के साथ दमदार बैटरी शामिल हैं। यह शून्य समझौते के साथ सबसे शक्तिशाली प्रदर्शन करता है। और रेडमी डिवाईस की परंपरा के अनुरूप यह किफायती भी है, जिससे टेक्नॉलॉजी न केवल अत्याधुनिक, अपितु किफायती बनाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।''

इंडिया 'ज़ ट्रैक्टर ऑफ द ईयर 2022 के विजेताओं की घोषणा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

किसानों के लिए भारत के सबसे प्रमुख डिजिटल मार्केटप्लेस, ट्रैक्टर जंक्शन ने सिएट स्पेश्यलिटी के सहयोग में 'आईटीओटीआई'-इंडियन ट्रैक्टर ऑफ द ईयर का आयोजन किया। पुरस्कार समारोह के आयोजन का उद्देश्य ट्रैक्टर और कृषि उपकरण के निर्माताओं की इस क्षेत्र में की जा रही मेहनत को पहचान देना था। ट्रैक्टर इंडस्ट्री ने खेती के क्षेत्र में तेजी से विकास करने और कृषि फॉर्मों के आधुनिकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाई है, जो सरकार के 5 बिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के सपने का हिस्सा है। इस साल कृषि क्षेत्र अच्छे मॉनसून, मांग में बढ़ोतरी और बढ़ती खपत की बदौलत उच्च विकास के लिए बिल्कुल तैयार है।

पुरस्कार समारोह के तीसरे संस्करण में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्टर निर्माता कंपनियों ने भागीदारी की। इन कंपनियों के नए निर्माण, आधुनिक प्रॉडक्ट्स और फीचर्स के आधार पर पुरस्कार देने का फैसला किया गया। शानदार डिजाइन और लोकप्रियता की झलक देते हुए, महिंद्रा 575 डीआई एक्सपी प्लस और मैसी फर्ग्यूसन 246 डायनाट्रैक को संयुक्त रूप से 'इंडियन ट्रैक?टर ऑफ द ईयर 2022' चुना गया, जबकि फार्मट्रैक 60 पावरमैक्स को '2022 में खेती के लिए सर्वश्रेष्ठ ट्रैक्टर' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इम्प्लीमेंट्स श्रेणी में, माशियो गैसपार्डो सुपर सीडर ने 'मशीनरी ऑफ द ईयर 2022' का पुरस्कार जीता। जबकि 'पावरट्रैक पावरहाउस सीरीज' ने 'लॉन्च ऑफ द ईयर' का खिताब अर्जित किया।

आईटीओटीवाई की जूरी में ट्रैक्टर और फॉर्म इंप्लिमेंट इंडस्ट्री के सेल्स, प्रॉडक्ट, मार्केटिंग, टेस्टिंग और एरेगोनॉमिक्स से संबंध रखने वाली आठ मशहूर हस्तियां शामिल थीं। विजेताओं को चुनने की प्रक्रिया काफी पारदर्शी थी। विजेताओं का फैसला 60 फीसदी जूरी मेंबर्स की वोटिंग और 40 फीसदी पब्लिक वोटिंग से हुआ।

सिएट स्पेशलिटी के मुख्य कार्यकारी श्री अमित तोलानी ने कहा, 'सिएट में हमारा निरंतर प्रयास किसानों को उनके बेहतर उत्पादों से उनके खेतों से सर्वोत्तम उत्पादकता प्राप्त करने में मदद करना है। हम आईटीओटीवाई पुरस्कारों के साथ साझेदारी करके खुश हैं जो सर्वश्रेष्ठ होने के जज्बे को भी प्रोत्साहित करता है। उद्योग के विशेषज्ञों और उपभोक्ताओं से मिले वोटों ने यह सुनिश्चित किया कि विजेता केवल वे हैं, जो किसानों के जीवन में वास्तविक रूप से अंतर लेकर आए हैं।' आईटीओटीवाई और ट्रैक्टर जंक्शन के संस्थापक श्री रजत गुप्ता ने कहा, 'हमारा प्राथमिक उद्देश्य किसानों को कृषि उपकरण और अन्य सहायक उपकरणों के बारे में जागरूकता पैदा करना और जानकारी देना है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।